

# दक्षिण मुंबई

देश की आवाज

## Info Cell

Publication	Dainik Dakshin Mumbai	Date	08.01.2016
Edition	Mumbai	Page	02

## सरकार को हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च बढ़ाना चाहिये : विशेषज्ञों की राय



**मुंबई।** विशेषज्ञों का मानना है कि यदि मरीजों को बेहतर हेल्थकेयर प्रदान करना है, तो सरकार को स्वास्थ्यसेवा आधारभूत संरचना (हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर) पर खर्च को बढ़ाने की जरूरत है। वर्तमान में सरकार द्वारा मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोड़ोपी का माहज। प्रतिशत खर्च किया जा रहा है, जोकि पर्याप्त नहीं है और चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिये एक सीमा बन गया है। यह एक मुद्दा है, जिस पर जीएफईएसएस (ग्लोबल फाउंडेशन फॉर एथिक्स एंड मित्रचुअल हेल्थ) द्वारा जे. डब्ल्यू. मैरिएट में इस एगिवर को मेडिकल प्रोफेशन-वेलफेयर नॉट वारफेयर कॉन्फ्रेंस में प्रकाश डाला गया। प्रमुख हस्तियों में डॉ. अविनाश सुचे-डोन जी.एस.मेडिकल कॉलेज एवं केईएम हॉस्पिटल, डॉ. ललित कपूर-एमडी. एचमसी डीडिया

डॉ. मनाली लॉरे, अक्सिडेंट प्रोफेसर, ए.के.सोमैया कॉलेज, श्रीमती फलासी मांजरेकर, डायरेक्ट नर्सिंग हिंदुजा हॉस्पिटल, डॉ. राजेश ओक, वाइस चान्सलर, डॉ. खाड़ पाटिल युनिवर्सिटी, श्री नोरीर रादरवाला-सीईओ, सेंटर फॉर एडवेंसमेंट ऑफ फिलेन्सिटी, डॉ. रमाकांत देशपांडे-डायरेक्टर एरिथन इंस्टीट्यूट ऑफ ऑन्कोलॉजी, श्री यो यो एल्मोनरायण (आइपीएस), ज्वाइंट कमिशनर ऑफ पुलिस, ठाणे और डॉ. सुहास इन्दीपुरकर-मेडिकल डायरेक्टर लक्ष्मी आइ इंस्टीट्यूट ने अपने बहुमूल्य विचार साझा किये और डॉक्टरों को ज्ञान दिया। डॉ. अजय सांखे एमडी, डायरेक्टर, भक्तिकेरीता हॉस्पिटल मुंबई ने कहा, जीएफईएसएस का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वास्थ्य सेवा अभ्यास में नैतिकता

और आध्यात्मिकता के मजबूत बोध को वापस लाना है। इसे हासिल करने के लिए, भारत, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया और उनकी अमेरिका व यूरोपीय देशों में वैश्विक सम्मेलन आयोजित किये जा रहे हैं। जीएफईएसएस को मानवीय राधानाथ स्वामी, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध अध्यात्म गुरु का संरक्षण प्राप्त था। इसके अलावा अन्य संरक्षकों में श्री एल्फ्रेड कोर्ड-फोर्ड मोटर्स, यूएसए, मुखियाता उद्योगपति, लोकप्रिय श्री कृपिकर मफतलाल, मफतलाल गुप ऑफ कंफलीज, और डॉ. अजय सांखे एमडी, डायरेक्टर, भक्तिकेरीता हॉस्पिटल मुंबई भी शामिल थे।

मानवीय राधानाथ महाएज ने कहा, असली डॉक्टर वह हैं जो दिल से प्रत्येक रोगी का इलाज करता है। ठीक उसी तरह जब रोगी बनने की स्थिति में उनका इलाज किया जायेगा। सरलता आपके भीतर खुशियों से मिलती है और मात्रा को जाने को लालसा में हम गुणवत्ता को भूलते जाते हैं और जब तक हम अच्छी निदगी नहीं बितायेंगे तब तक हमें खुशी नहीं मिल सकती।

हमें अपने रोगियों में भगवान की उपस्थिति को अवश्य देखना चाहिये और यह बोध सभी आयेंगा, जब डॉक्टरों को फुई-लिखई मूल्य पर आभासित होगी। यदि हम अपने बच्चों को देखभाल के मूल्य नहीं सिखाते हैं तो समस्त ज्ञान बेकार है। ज्ञान को बुद्धिमानों का दूरक होना चाहिये।